रात्रिक्लास 12-5-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

फ्रेन्टीचिल्ड्रेन्स । कितने चिल्ड्रेन्स होंगे बाबा के। ढेर। तुम बच्चों के लिए एक बाप। तो जरूर ढेर बच्चों को वर्सा देंगे ना। बच्चे जानते हैं बेहद का बाबा जरूर अपना वर्सा देंगे। जरूर समझते होंगे बाबा स्वर्ग की स्थापना करते हैं। हमको स्वर्ग का वर्सा मिलता होगा। इसके लिए जरूर पढ़ाते होंगे। यह है ~~स्कूल~~ पाठशाला। बाप पढ़ाते भी होंगे। ऐसा बाबा तो कब देखा नहीं। एक बाबा सभी बच्चों को बैठ पढ़ाते हैं। और बेहद का बाप बहुत मीठा है। लौकिक और इसमें बहुत डिफरेन्स है। बाप कहते हैं तुम पवित्र बनेंगे तो पवित्र दुनिया में जावेंगे। और पवित्र बनने का भी बहुत सहज उपाय बताते हैं। ऐसा कौन होगा जो बेहद के बाप को याद न करेंगे। उस तरफ से ममत्व मिट जाता है। जिस तरफ से आमदनी जास्ती है उस तरफ बुधि चली जाती है। वह तो एक से ही आमदनी होती है। जानते हो बाबा से हमको बेहद का वर्सा मिलता है। दो बाप तो होते ही हैं। बेहद का वर्सा देने वाला बाप एक ही बार आता है। वह कब आता होगा यह कब बिचार किया है। पुरानी दुनिया के विनाश नई दुनिया की स्थापना के बीच संगम पर आता होगा। नई दुनिया स्थापन करने वाला एक ही बाप। ऐसी2 याद रहे तो भी खुशी रहे। बच्चे भूल जाते हैं। हद के धंधा आद करते बेहद के बाप को जरूर याद करना है। दुकान पर जाते हैं तो पहले2 भगवान को याद करते हैं। गुड का घरया, मत का मूरा ... बाप तो भोलानाथ है। वह मत का मूरा नहीं है। उनकी तो श्रीमत है। तुम बच्चे जान हो बेहद का बाप हमको बहुत2 श्रृंगारते हैं। अविनाशी रत्नों से खूब श्रृंगारते हैं। सागर से रत्नों का ढेर मिलता है ना। उस सागर से नहीं निकलती। यह ज्ञान सागर तुम बच्चों की झोली भरते रहते हैं। इनको नालेज शिक्षा कहा जाता है। एमआबजेक्ट तो बुधि है हमको यह बनना है। बाप से हम बेहद की बादशाही लेंगे। और [illegible] लेंगे। [illegible] मिलना है। बाप भी समझते हैं इनको क्या देने का है। यह है बेहद का बाप। बच्चे जानते भी हैं, बाप भी जानते हैं पढ़ाई अनुसार वर्सा लेने आये हैं। बहुत स्टुडन्ट पढ़ते फिर औरों को पढ़ाते भी हैं। तो पद भी ऊंच मिलेगा। हम भी क्यों न करें। बाबा अनेक प्रकार की युक्तियां बतलाते हैं। साधु सन्त आद तो फलोअर्स को यह नहीं सिखलाते हैं। वेद-शास्त्र आद बैठ सुनाते हैं। संस्कृत गीता बहुत अध्यन करते हैं। उन्हों का जैसे कारखाना निकल पड़ता है। बच्चों को सभी सिखलाते हैं। जैसे गीता भारती है। आन्दमई मां हैं। यह सभी सिखलाये हुये हैं। ऐसे ऐसे करो। तुम बच्चे जानते हो हमको मनुष्य नहीं सिखलाते हैं। श्री श्री श्रेष्ठ मत वाला बाप अपनी श्रीमत देते हैं। तुम बच्चे जो चाहते हो हम ऐसे बने। तो अभी तुमको चित्र दे देते हैं। घड़ी2 बाप को देखते पद को देखते खुश होते रहो। यही है मन्मनाभव। बेज देखते रहो। दो बाप की बात पूछने से वह झट समझ जावेंगे। जो पूछते हैं वह जरूर जानते हैं। प्रश्न का उत्तर आवेगा तभी ही पूछेंगे ना। इसलिए तुम प्रश्न उत्तर जो करते हो तुम सभी जानते हो। यह है रूहानी बातें। घर-घर, दर-दर पर पैगाम देना है। माने न माने। न माननेवाले भी ढेर होते हैं। बेज बहुत अद चीज है। गवर्मेन्ट के आफिसरों को भी कुछ न कुछ पड़ा रहता है। तुम भी मिलिट्री हो ना। तुम्हारा बेज है वन्डर फुल। त्रिमूर्ति का अर्थ कोई भी समझ न सके। बोलो हम ~~ब्रह्मा~~ तुम्हारे बाप दादा परदादा तरदादा सभी को जानते हैं। अन्दर में नशा रहना चाहिए ना। तुम्हारे जैसा नशा और कोई को होगा नहीं। ईश्वर के जीवन कहानी को तो कोई नहीं जानते। तुम बच्चे जानते हो। बच्चे आये हैं ईश्वरीय ज्ञान रत्नों का श्रृंगार करने। चाहते हैं हम इन(ल०ना०) जैसा बनूं। कृष्ण को झुलाते हैं ना। बाप बच्चों को देख खुश भी होते हैं। यह तो फूल हैं। उन महात्माओं से भी यह अच्छे हैं। पवित्र हैं। वह तो निर्धनका बना देते। वह है निवृति मार्ग वाले। यह है प्रवृति मार्ग। तो बाप को बच्चे भी प्यारे लगते हैं। बाप ने समझाया है तुम पवित्र प्रवृति मार्ग के थे। परन्तु तुम्हारी बुधि इतनी तमोप्रधान हो जाती है जो निवृति मार्ग वाले को गुरु करते हो। तुम सन्यासी हो ही कहां। जो फलोअर्स कहलाते हो। फलोअर अर्थात जो फालो करे। बाप कहते हैं मामेकं

याद करो। देवी गुण धारण करो। मुझे तो नहीं करनी है। मैं तुम बच्चों को श्रृंगार कर विश्व की बादशाहीदेता हूं। तो कितना लव होना चाहिए। घर बैठे भी बाप ही याद आये। सभी भाई2 हैं ना। ओ बाबा। बाप कहेंगे ओ बच्चे। ओ बेटे। सभी कहते हैं हम ब्रदर्स हैं। सभी ब्रदर्स का एक बाप है ना। ऐसा कोई होगा ब्रदर्स कहते हैं और पूछो बाप कहां? तोपता नदारथ। तो भाई2 कैसे कहते हो। बापके लिए कह देते हैं सर्व-व्यापी। कुत्ते बिल्ले सब में हैं। यह भी वन्डर है ना। निश्चय बुधि बच्चों को ले आते हैं तो बाप भी खुश होते हैं। संशय की बात ही नहीं। सिवाय बेहद के बाप के इतनी नालेज कोई दे न सके। सदगुरु तो एक ही बाप है। अच्छा अपने मोस्ट बिलवेड बाप को याद करो। वर्साउन से लेते हो ना। कहते भी हैं सभी भाई2 हैं। परन्तु अर्थ कुछ नहीं समझते। बाप एक हैं। उनके बच्चे हम तो स्वर्ग के मालिक होने चाहिए। अच्छा बच्चों को गुड़नाईट और नमस्ते।

रात्रिक्लास 13-5-68 ओमशान्ति "स्वर्ग की बादशाही याद है?"

बच्चों को कोई ने बहलाया। बहलाने वाले तो बहुत ही बैठे हैं। रत्न है, बृजशान्ता है, मोहनी, प्रेम है। कम से कम बेहद की बाप की बैठ महिमा तो करनी है। बाबा बाबा ही याद है बच्चों को। क्योंकि कहेंगे भी ऐसे कि रूह को रूहानी बाप बहलाते हैं। कैसे बहलाते हैं। अच्छे में अच्छा बहलाने वाला है ही यह। मीठे2 बच्चों। क्योंकि यह तो तुम एक ही बार सुनते हो। बाप कहते हैं मीठे2 रूहानी बच्चों। अभी अन्त मते सा रव गते। अगर मुझे याद करते रहेंगे, कहां करेंगे। बाप तो रहते परमधाम में हैं। वह श्रीमत देते हैं। ब्र गाया जाता है बाप का श्रीमत सर्व सदगति के लिए सब से न्यारी है। यह सभी जानते हैं। उनका [illegible] तुमरी गत मत तुम्हीं जानो। दूसरा कोई नहीं जानते। है भी ऐसे। ठीक कहते हैं। अभी तुमरी गत मत तुम्हीं जानो सो जब आवे तब सुनावे। शिवजयन्ति मनाई जाती है। तो जरूर आते हैं ना। श्रीमत आकर देते हैं। उससे ही गति सदगति होती है। है बहुत सहज। बाप कहते हैं मैं ही तुमको ज्ञान देना जानता हूं। श्रीमत जो मिलती है तो उनको याद करना चाहिए ना। बाप कहते हैं मुझे याद करो। मेरे पास आने लायक बनने लिए याद करो तो अन्त मते सो गति। सब मेरे पास आवेंगे। ऐसे कोई साधु सन्त नहीं कहेंगे। साधु सन्त कह न सकेंगे कि तुम मेरे पास आ जावेंगे। यह बाप ही बतलाते हैं। सिकीलधे बच्चों। जानते हैं मैं इन मीठे2 बच्चों को नयनों पर बिठाकर घर ले जाता हूं। नूर सब को प्यारा होता है ना। कसम भी उठाते हैं नूर का। नूर के सिवाय जैसे कि कुछ है नहीं। इस समय हमको इन नयनों से काम नहीं लेना है। बाबा ने दूसरा नयन दिया है। इन नयनों, शरीर आदि को भूल जाते हैं। यह कोई डिफीकल्ट नहीं है। आत्मा कहती है शरीर द्वारा। यह विनाश होना है। कहते तो सभी हैं ना कि विनाश होगा परन्तु नई दुनिया का किसको भी पता नहीं है। तुम इन्तज़ार में हो नई दुनिया के लिए। बाप को याद करते हो तो पाप कट जाये। तो तुम स्वर्ग में जावेंगे। स्वर्ग तो तुम्हारे सामने है। तुम जल्दी जाना नहीं चाहते हो। इम्तहान से पहले जल्दी जावेंगे तो फेल हो जावेंगे। स्वर्ग तो बहुत ही मीठा है। परन्तु जावेंगे वही जो इम्तहान पास करते और लायक बने लायक तब बनते हैं जब बाप की याद में रह रह शरीर को भूल जाते हैं। उस कर्मातीत अवस्था होती है। बाकी ऐसे नहीं चाहेंगे कि हम जल्दी स्वर्ग में जावें। यह उल्टी कामना है। अभी यहां कर्मभोग है परन्तु हम जल्दी क्यों जावें। हम डीग्री कम क्यों करें। हम बापके साथ क्यों न जावें। बच्चे कहेंगे जब तक बाप है तो बाबा के छाया के नीचे रहें। तुम सभी बाबा के छाया के नीचे हो। यह छाया बाप की है सभी से ऊंची। वहां होंगे देवताओं के छाया में। वह है मनुष्यों की छाया। यह है ईश्वरीय छाया। हम यह तो जानते हैं हम शरीर छोड़ जाकर नशा लेंगे। गोल्डेन स्पून इन माउथ। अभी तो कर्मातीत अवस्था ही नहीं हुई है। हम अभी थोड़े ही कहेंगे कि जावें। तुम समझते हो अभी हम ईश्वरीय परिवार में बैठे हैं। वह है [illegible]

आसुरी परिवार। उनके छाया नीचे बैठे हैं। तुम तो पुरुषोत्तम संगम युगी ईश्वरीय परिवार ईश्वरीय छाया के नीचे बैठे हो। एक को ही याद करते हैं। वहीसभी का बेरा पार करते हैं। यह छाया सभी से अच्छी है। इतना पक्का निश्चय चाहिए। वह है दैवी छाया। उन से भी यह ब्राहमणों की छाया अच्छी है। इसि लिए यहांसभी आते हैं। परन्तु ऐसे तो नहीं सभी यहां आकर रहेंगे। भल मकान आद बनाते हैं परन्तु बुधि में है यह तो सभी टूट फूट जानी हैं। आगरे में राधास्वामी का मकान अभी तक बनतारहता है। गवर्मेन्ट पास पैसे हैं तोकेनाल्स डेमस आद बहुत बनाते रहते हैं। तुम बच्चे जानते हो 8-9 बर्ष में तो सभी खलास हो जानी है। नये2 इन्वेशन बहार से भारतवासी सीख रहे हैं। वह फिर भी वहां आवेंगे तो सही ना। तुम्हारापैगाम तो सभी को मिलता रहेंगा। फिर कहेंगे अहो प्रभु तेरी लीला। ऐसे नहीं कि अहो प्रभु तेरी माया। प्रजा भी थोड़ा बहुत समझकर तो जाते हैं ना। 84 जन्मों के चक्र को। बच्चों ने जैसे कल्प पहले सर्विस की है करते रहते है। माया मारते रहते हैं। और2 भाषाओं वाले भी आते रहते हैं। जितना2 तुम घूसते जाते हो निमंत्रण मिलती जाती है। कोई तो ईशारा से ही समझ जाते हैं। तुम ने शुरु में ईशारा से ही समझा। और अभी सर्विस में लगे हुये हो। वास्तव में सारा ज्ञान है ईशारे में। स्थापना विनाश पालना। यह तो बिल्कुल कामन बात है। समझेंगे विनाश होता है तो जरु स्थापना भी होनी हैं। आन्नदमई मां भी कहती हैं भगवान जरु कोई सा0 रूप में होना चाहिए। अभी तुम्हारी बुधि में हैं जो पहले आते हैं उन्हों ने ही 84 जन्म लिये है। बाप भी कहते हैं मैं उनके बहुत जन्मों के अन्त के भी अन्त में प्रवेश करता हूं। यह है नया ईश्वरीय जन्म। तुम कितने अक्लमन्द बनते हो। यह ल0ना0 भी इस नालेज से बने हैं ना। इस नालेज से यह पद पाया। फिर उनको नालेज की दरकार ही नहीं। तुम ब्राहमणों बिगर यह नालेज कोई में हो न सके। तुम हो पुरुषोत्तम संगम युगी ब्रहमा मुख वंशावली। तुम ब्राहमणों को भी समझा सकते हो। अजमेर में ब्राहमण लोग बहुत मिलते हैं। वहां रहते भी ब्राहमण हैं। आजकल छोटे2 बच्चों को भी शोक होता है। सयाणे बच्चे जो हैं समझते हैं टाईम ही थोड़ा है। तो हम क्यों नहीं बाकी समय याद कीयात्रा में देते रहें। यह नालेज बेहद का बाप पढ़ाते हैं। क्यों नहीं हम यह पढ़ें। सयाणे बच्चे किसको भी अच्छी रीत समझा सकते हैं। हम ब्रहमा मुख वंशावली पवित्र बनते हैं। हमारी आत्मा बाप की याद से शुद्ध हो जाती है। पवित्र बन पवित्र दुनिया में जाते हैं। पवित्रदुनिया स्वर्ग कोकहा जाता है। बाप कहते हैं सिर्फ मुझे याद करने से तुम पावन बन जावेंगे। तुम्हारे पास योग काबल होंगा तो कोई को तीर लगेंगा।

बाप समझाते हैं बच्चे आत्माएं इन आरगन्स द्वारा पढ़ रहे हो। हर 5000बर्ष बाद आते हैं पढ़ने। कल्प पहले जो बच्चे आये थे वही आवेंगे पढ़ने। जो ब्राहमण बनते हैं वही फिर सो देवता बनेंगे। अच्छा मीठे2 रूहानी सिकीलधे बच्चों प्रित रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते किसने किया? जरु बाप ही करेंगे ना। क्यों कि जानते हैं बच्चे मेरे से भी ऊंच है। मैं तो सिर्फ ब्रहमाण्ड= ब्रहमाण्ड का ही मालिक हूं? बच्चे तो विश्वके भी तो ब्रहमाण्ड के भी मालिक बनते हैं। तो ऊंच को हमेशा नमस्ते किया जाता है ना। नमस्ते यह तो नहीं करेंगे। समझा। हां बाकी याद प्यार दोनों देते हैं।। अच्छा बच्चों से बिदाई।